अर्जी । by Sonu Garg & Girish Agarwal

एक बात मुझे ये केहनी है मैंने बाबा से कह दी है एक कीर्तन मेरे घर पर हो मेरी बाबा से अर्ज़ी है

जिस दिन कीर्तन होगा श्याम हर गली से भक्तां आएंगे हर गली महकेगी फूलों से इस घर को खाटू बनाएंगे फूलों के वर्षा कर देंगे और इत्र खूब बरसायेंगे एक बात मुझे ये केहनी है मैंने बाबा से कह दी है

जिस दिन कीर्तन होगा श्याम श्रृंगार तेरा करवाएंगे बड़े भाव से तुझको रिझाएंगे और तेरी आरती गाएंगे तुम माल खजाना भर देना झोली हम फैलाएंगे एक बात मुझे ये केहनी है मैंने बाबा से कह दी है

मेरे श्याम ज़रा इनको देखो तेरे प्रेमी अर्ज़ी लगाते हैं हर घर में एक दिन कीर्तन हो अर्ज़ी ये गिरीश लगाते हैं एक बात मुझे ये केहनी है मेरी बाबा से अर्ज़ी है एक कीर्तन मेरे घर पर हो बाकि बाबा की मर्ज़ी है बाकी फिर तेरी मर्ज़ी है

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%85\%e0\%a4\%b0\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%9c\%e0\%a4\%bc\%e0\%a5\%80-b}{\text{y-sonu-garg-girish-agarwal/}}$